Nai Dunia (Indore), 22nd June 2025, Page-01

यूजीसी की एंटी रैगिंग हेल्पलाइन पर डेढ़ साल में 120 शिकायतें दर्ज

शिक्षण संस्थानों में रैगिंग का खौफ

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में रैगिंग के अधिक मामले सामने आ रहे हैं। यूजीसी हेल्पलाइन में डेढ़ साल में अब तक करीब 120 से अधिक मामले दर्ज हुए हैं। राजधानी के शिक्षण संस्थानों में पहले स्थान पर राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) व मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) है। इसके बाद बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय (बीयू) का स्थान है। इन संस्थानों में हर माह दो या तीन रैगिंग के मामले सामने आ रहे हैं। हालांकि आरजीपीवी में सबसे अधिक रैगिंग के मामलों में कार्रवाई कर दोषी विद्यार्थियों पर जुर्माना भी लगाया गया है, फिर भी मामलों में कमी नहीं आ रही है।

कई शिकायतें शैक्षणिक संस्थाएं अपने स्तर पर ही खत्म कर देती हैं। यूजीसी की एंटी रैगिंग हेल्पलाइन पर साल 2024 से अभी तक 120 शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। इनमें सबसे अधिक शिकायतें सिर्फ मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर की दर्ज हुई हैं। प्रदेश में ऐसा कोई भी विश्वविद्यालय नहीं है, जिसमें रैगिंग की शिकायत दर्ज नहीं हुई है।

112 मामले निराकृत

हेल्पलाइन पर दर्ज 120 शिकायतों में से 112 का निराकरण किया जा चुका है। इसके लिए सभी विश्वविद्यालय व संस्थानों में प्राक्टोरियल बोर्ड गठित की गई है, जो रैगिंग और मारपीट की शिकायतों का निराकरण करते हैं।

छात्राओं की भी 15 शिकायतें

साल 2024 में करीब 80 शिकायतें दर्ज हुई थीं। 2025 के छह माह में करीब 40 शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। इसमें 15 शिकायतें छात्राओं के भी हैं। रैगिंग की घटनाएं दर्ज होने के बाद संस्थान उसकी रोकथाम के लिए कोई खास इंतजाम नहीं कर रहे हैं।

प्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों में इतनी शिकायतें दर्ज

- मप्र आयुर्विज्ञान विवि, जबलपुर-30
- एमएएनआइटी, भोपाल-07
- आजीपीवी, भोपाल-07
- बरकतउल्लाह विवि, भोपाल-05
- जीवाजी विवि, ग्वालियर-03
- आइआइटी, इंदौर-03
- राष्ट्रीय विधि संस्थान, भोपाल-02
- देवी अहिल्या विवि, इंदौर-02
- जवाहरलाल नेहरू कृषि विवि, जबलपुर-02
- नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विवि, जबलपुर-02
- विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन -01
- डा. हरि सिंह गौर विवि, सागर-02
- राजा शंकर शाह विवि, छिंदवाड़ा-01
- केंद्रीय संस्कृत विवि, भोपाल-02
- पं शंभूनाथ शुक्ला विवि, शहडोल-01